



????

11 Oct 2010

08:58 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121103306

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 11/10/2010
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 20:58:00 घंटे
इष्ट _____: 36:36:04 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:36:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:11 घंटे
साम्पातिक काल _____: 21:57:19 घंटे
सूर्योदय _____: 06:19:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:55:59 घंटे
दिनमान _____: 11:36:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 24:12:04 कन्या
लग्न के अंश _____: 19:44:26 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: वृष - शुक्र
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अनुराधा - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शनि
योग _____: सौभाग्य
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: ने-नैनसुख
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

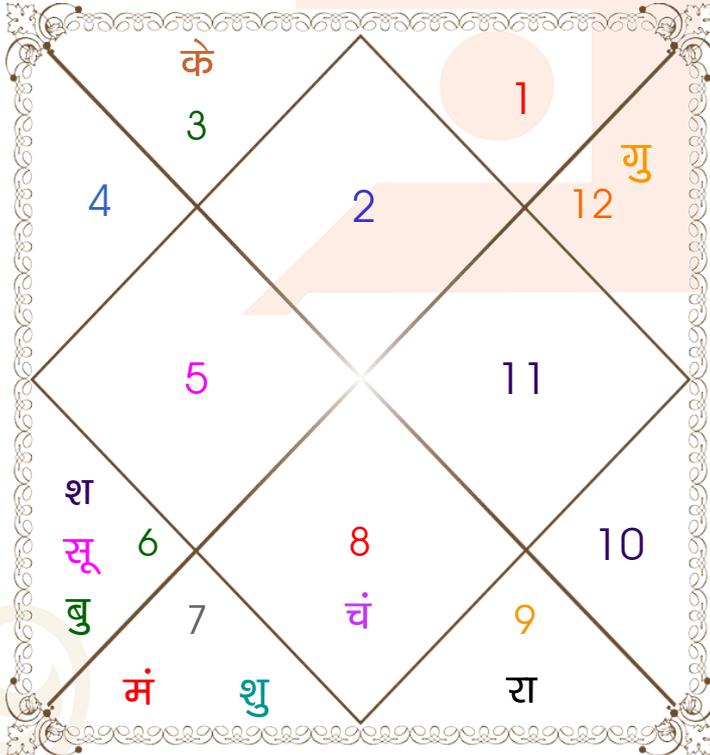
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा	न	अं.	स्थिति	
लग्न	वृष	19:44:26	362:21:18	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	---
सूर्य	कन्या	24:12:04	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र	वृश्चि	15:50:49	13:29:04	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	नीच राशि
मंगल	तुला	24:13:15	00:41:54	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	अ कन्या	20:14:06	01:45:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु	व मीन	01:49:15	00:06:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र	व तुला	18:59:57	00:07:59	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शनि	अ कन्या	15:02:20	00:07:21	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व धनु	12:01:07	00:03:14	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	नीच राशि
केतु	व मिथु	12:01:07	00:03:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व मीन	03:49:02	00:02:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
नेप	व कुंभ	02:05:44	00:00:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व धनु	08:58:23	00:00:51	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव	व कुंभ	03:06:35	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शुक्र	--

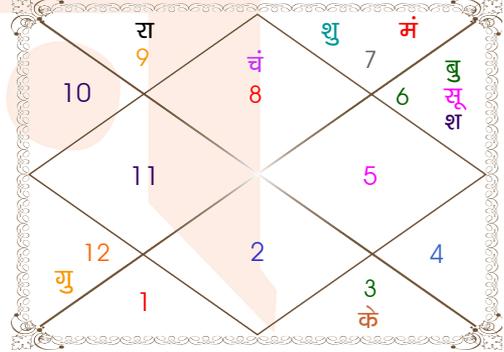
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:43

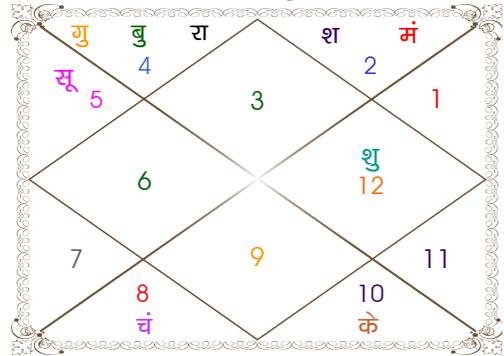
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 2 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
11/10/2010	12/12/2011	11/12/2028	12/12/2035	12/12/2055
12/12/2011	11/12/2028	12/12/2035	12/12/2055	12/12/2061
00/00/0000	बुध 10/05/2014	केतु 09/05/2029	शुक्र 13/04/2039	सूर्य 31/03/2056
00/00/0000	केतु 07/05/2015	शुक्र 10/07/2030	सूर्य 12/04/2040	चंद्र 29/09/2056
00/00/0000	शुक्र 07/03/2018	सूर्य 14/11/2030	चंद्र 12/12/2041	मंगल 04/02/2057
00/00/0000	सूर्य 11/01/2019	चंद्र 15/06/2031	मंगल 11/02/2043	राहु 30/12/2057
00/00/0000	चंद्र 12/06/2020	मंगल 12/11/2031	राहु 10/02/2046	गुरु 18/10/2058
00/00/0000	मंगल 09/06/2021	राहु 29/11/2032	गुरु 11/10/2048	शनि 30/09/2059
00/00/0000	राहु 27/12/2023	गुरु 05/11/2033	शनि 12/12/2051	बुध 05/08/2060
11/10/2010	गुरु 03/04/2026	शनि 15/12/2034	बुध 12/10/2054	केतु 11/12/2060
गुरु 12/12/2011	शनि 11/12/2028	बुध 12/12/2035	केतु 12/12/2055	शुक्र 12/12/2061

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
12/12/2061	12/12/2071	12/12/2078	11/12/2096	12/12/2112
12/12/2071	12/12/2078	11/12/2096	12/12/2112	12/10/2130
चंद्र 12/10/2062	मंगल 09/05/2072	राहु 24/08/2081	गुरु 30/01/2099	शनि 16/12/2115
मंगल 13/05/2063	राहु 28/05/2073	गुरु 18/01/2084	शनि 13/08/2101	बुध 25/08/2118
राहु 11/11/2064	गुरु 04/05/2074	शनि 24/11/2086	बुध 19/11/2103	केतु 04/10/2119
गुरु 13/03/2066	शनि 12/06/2075	बुध 12/06/2089	केतु 25/10/2104	शुक्र 04/12/2122
शनि 12/10/2067	बुध 09/06/2076	केतु 30/06/2090	शुक्र 26/06/2107	सूर्य 16/11/2123
बुध 13/03/2069	केतु 05/11/2076	शुक्र 30/06/2093	सूर्य 13/04/2108	चंद्र 16/06/2125
केतु 12/10/2069	शुक्र 05/01/2078	सूर्य 25/05/2094	चंद्र 13/08/2109	मंगल 26/07/2126
शुक्र 12/06/2071	सूर्य 13/05/2078	चंद्र 24/11/2095	मंगल 20/07/2110	राहु 01/06/2129
सूर्य 12/12/2071	चंद्र 12/12/2078	मंगल 11/12/2096	राहु 12/12/2112	गुरु 12/10/2130

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 2 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के तृतीय चरण में वृष लग्न के उदय काल हुआ था। जन्मकाल के समय ही मिथुन के नवमांश में कन्या द्रेष्काण भी उदित था। इस विन्दु पर जन्म के फलस्वरूप आपका जीवन सुखद, आरामदायक धन धान्य से पूर्ण आनंददायक जीवन व्यतीत होने की संभावनाओं का भी सृजन हुआ है।

आप व्यक्तिगत रूप से कठिन श्रम की भावना से समर्पित प्राणी हैं। आप अपने उद्येश्यित कार्य को यथार्थता के साथ स्पष्ट रूप से संपादित करेंगे।

आप धन-धान्य की पर्याप्त प्राप्ति हेतु समझ से पूर्व नियत स्थान पर पहुंचने का निर्णय करेंगे। परंतु आप अपनी यह धारणा ग्रहण करें कि अतिरिक्त विकास एवं पूर्ण सफलता प्राप्ति हेतु अपने उद्देश्य का संपादन कर लेंगे। वास्तव में आपके लिए आकस्मिक रूप से मात्र आलस्यपूर्ण प्रवृत्ति का त्याग करना ही उत्तम होगा।

आप पहले से ही धन की महत्ता से परिचित हैं। आप कठिन श्रम एवं दुरुह रास्ते से धनोपार्जन करेंगे तथा धन के व्यय पर सतर्क भी रहेंगे। आप निश्चित रूप से बहुत उत्तम प्रकार के भौतिक सुख प्राप्ति हेतु, धनकोष का संग्रह करेंगे।

आप वित्तीय विषयक किसी भी प्रकार का दुरुपयोग सा सामंजस्य नहीं करेंगे।

आप अत्यंत धन संचय करने के लिए लोभ की पराकाष्ठा तक पहुंचे हुए प्राणी हैं। आप में पूर्ण विश्वसनीयता विद्यमान है। आप किसी का धन अनीतिपूर्ण ढंग से नहीं प्राप्त करना चाहते बल्कि आप धन प्राप्ति के लिए उपयुक्त सुअवसर पर ऐसा कार्यान्वयन करते हैं। क्योंकि सत्य तो यह है कि आप धन प्राप्ति संबंधी योजनाओं को सांसारिक रीति से बुद्धिमत्तापूर्वक समर्पित भाव से कार्य रूप देते हैं। साथ ही अन्य लोगों को भी धन प्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन करते हैं।

आप किसी के साथ छेड़खानी करना या किसी पर आक्रमण करने पर विश्वास नहीं करते। आप एक आस्तिक प्राणी हैं। आप अपनी स्पष्ट वादिता पूर्वक संतोषजनक सफलता या, निकटता हेतु किसी को भी तरजीह देते हैं। परंतु जब कोई किसी भी समय या अवसर पर कोई शत्रुता पूर्वक आप से इर्ष्या करता है तो आप उसके प्रगति के पथ पर अवरोधक उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं। आपका प्रदर्शन बाधा पूर्ण एवं विध्वांसात्मक रूप से व्यवधान कारक हो जाता है अस्तु आप अपने धैर्य को सीमा के बाहर जाने के लिए सतर्क रहें। अर्थात् अपने धैर्य का संतुलन बनाए रखें।

आप स्वाभाविक रूप से यांत्रिक कला में दक्ष एवं परिश्रम तथा समुचित खोजकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने वाले प्राणी हैं। आप सामान्यतया प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु उपयुक्त हैं। यथा होटल प्रबंधक, अथवा सौंदर्य प्रसाधित व्यवसाय आदि तथा आपकी रुचि साहित्यिक भावनानुसार हो, तो आप उच्च कोटि के लेखक भी हो सकते हैं यदि आप में लेखन कला एवं क्षमता विद्यमान हो। यद्यपि आप मध्यम कद के ऊंची कंधे वाले, उभरी छाती, उन्नत ललाट एवं

चमकीली आखों से युक्त सुंदर व्यक्तित्व के जीव हैं। आप से विपरीत योनि के प्राणी (स्त्री) आकर्षित रहेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन अति आनंददायक साथ-साथ कठिन एवं कोई न कोई आर्थिक समस्याओं से सदैव युक्त रहेगा। साथ ही आपका पारिवारिक जीवन सुव्यवस्थित रहेगा। आप अपने नजदीकी और प्रियजनों को यथेष्ट प्यार और सम्मान देंगे। आप अपने गले के रोग एवं टोनशील रोग के प्रति रक्षात्मक भावना रखें तथा कफ जनित तथा शीत प्रकोप से गले में होने वाले कष्ट तथा रोगों एवं पैरों की सूजन तथा दर्द की रक्षा हेतु सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त आपके लिए अंक 2 तथा 8 अंक लाभदायक है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्यागनीय है। इसी प्रकार लाल रंग भी आपके लिए प्रतिकूल है। जबकि, आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग हरा, सफेद एवं गुलाबी रंग है।

